राजभाषा एकक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

विषय - राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ग्यारहवीं बैठक का कार्यवृत्त

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ग्यारहवीं बैठक दिनांक 24 नवंबर 2015 को अपराह्न 16.30 बजे बोर्ड कक्ष, तोषाली भवन परिसर में संस्थान के निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे –

1. प्रो.एस.त्रिपाठी, उपनिदेशक
2. डॉ. आर.के.सिंह, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा
3. प्रो.पी.सी.पांडेय, अभ्यागत प्राध्यापक, ईओसीएस
4. डॉ. राजन झा, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस
5. डॉ. अखिलेश बर्वे, सहायक प्राध्यापक, एसएमएस
6. डॉ. गौतम मंडल, सहायक प्राध्यापक, एसआईएफ
7. श्री बिभूति भूषण साहू, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
8. श्री पी.के. साहू, सहायक कुलसचिव (स्थापना)
9. श्री नितिन जैन, कनि. हिंदी अनुवादक एवं सदस्य सचिव (राकास)

बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अध्यक्ष महोदय ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। सदस्य सचिव ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची की मदों पर बिंदुवार चर्चा प्रारम्भ की गई।

मद सं. 11.0 **गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि** – दिनांक 25.08.2015 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दसवीं बैठक के कार्यवृत्त की समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुष्टि प्रदान की।

मद सं. 11.1 **गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई-** अध्यक्ष महोदय एवं समिति के सदस्यों को गत बैठक के निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गई। इसके मुख्य बिंदु निम्न है -

i) **हिंदी में पत्राचार की स्थिति** : सदस्य सचिव द्वारा अध्यक्ष महोदय को संस्थान की पत्राचार स्थिति से अवगत कराया गया और राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्र में निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही समिति के सदस्यों को यह जानकारी दी गई कि राजभाषा एकक द्वारा संस्थान से बाहर जाने वाली सभी पत्रों के लिए आवरण पत्र तैयार किया गया जिसे संस्थान के सक्षम प्राधिकारियों के कार्यालयों में दे दिया गया। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अपील की।

कार्रवाई – राजभाषा एकक/सहायक कुलसचिव (स्थापना)/ कुलसचिव

अधिकारियों/ निजी सचिवों के लिए कार्यशाला – सभी के सदस्यों को जानकारी दी गई कि दिसंबर के प्रथम सप्ताह में संस्थान के समूह 'क' के सभी अधिकारियों के लिए तथा निजी सचिवों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राजीव कुमार रावत, हिंदी अधिकारी, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से संपर्क किया गया है।

ii) **हिंदी पखवाड़ा का आयोजन** : - निदेशक महोदय ने हिंदी पखवाड़ा के आयोजन के उपस्थित सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि आगामी वर्ष आयोजित होने वाले हिंदी पखवाड़ा समारोह में कर्मचारियों की और अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु अपील की।

iii) **विज्ञापनों का हिंदी प्रकाशन** : समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान में हिंदी के विज्ञापन का प्रकाशन नहीं किया जा रहा है। संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण के दौरान इस पर अधिक बल दिया जाता है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि यथासंभव हिंदी के विज्ञापनों को हिंदी समाचार पत्र में प्रकाशित करें।

कार्रवाई – कुलसचिव/ सहा.कुलसचिव (स्था.)/ राजभाषा एकक

मद सं. 11.3. **धारा 3(3) के अंतर्गत जारी सभी दस्तावेज़ों को द्विभाषी रूप में जारी करना :** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान में केवल स्थापना अनुभाग से ही कुछ दस्तावेज़ों को द्विभाषी रूप में जारी किया जा रहा है। सभी अनुभागों से द्विभाषी रूप में जारी न होने के कारण हम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि स्थापना/ शैक्षणिक अनुभाग से जारी होने वाले सभी दस्तावेज़ों को द्विभाषी रूप में जारी किया जाए। इसके साथ ही सदस्य सचिव द्वारा जानकारी दी गई कि संस्थान के 04 कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक प्राप्त कर लिया है और इस सत्र में कुल 12 कर्मचारियों ने प्राज्ञ (06) तथा प्रवीण (06) की परीक्षा दी है। इस संबंध ने अध्यक्ष महोदय ने उन्हें भी हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

मद सं. 11.4 **हिंदी में पत्राचार की स्थिति:-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में हिंदी पत्राचार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में चूक रहा है। संस्थान की मूल प्रकृति अंग्रेजी में है इसलिए अधिकांश पत्रों को अंग्रेजी में तैयार किया जा रहा है इसलिए हम लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल हो रहे है। इसके साथ ही यह सुझाव प्रस्तुत किया गया कि यदि हम पत्र के साथ एक आवरण पत्र हिंदी में तैयार कर इसमें संलग्न सभी को प्रेषित करें तो हम निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ यह भी जानकारी दी गई सभी सक्षम प्राधिकारियों के कार्यालय में उपस्थित निजी सचिवों को इसकी जानकारी दी गई परंतु इसका प्रयोग अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने उन्हें प्रशिक्षित कर कार्य को सुचारू रूप से चलाने की अपील की।

कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक

मद सं. 11.5 **राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु जाँच बिंदु :-** समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि राजभाषा एकक द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जाँच बिंदु तैयार किए गए है जिसका अनुपालन करना आवश्यक है। संसदीय समिति के निरीक्षणों के दौरान इन बिंदुओं पर चर्चा की जाती है। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी कि भर्ती प्रक्रिया में हिंदी का प्रयोग नहीं हो पा रहा है, यदि हम ऑनलाइन आवेदन के लिए प्रयोग किए जा रहे फार्मेट को द्विभाषी कर दें तो इससे राजभाषा की गतिविधियों में आवश्यक सुधार हो पाएगा। इस संबंध में निदेशक महोदय ने आवश्यक कार्रवाई करने हेतु अनुमति प्रदान की। इस साथ ही चर्चा के दौरान समिति के सदस्य प्रो.पी.सी.पाण्डेय, अभ्यागत प्राध्यापक, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान ने सप्ताह में एक दिन को हिंदी का दिन स्वीकार करने तथा संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा हिंदी पर हस्ताक्षार करने हेतु सुझाव प्रदान किया जिसके लिए अध्यक्ष महोदय ने अपनी स्वीकृति प्रदान की।

कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक

मद सं. 11.6 **मंत्रालय से प्राप्त पत्र पर चर्चा :-** डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान नियमित रूप से अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रहा है कि इसलिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निरंतर रूप इसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए पत्र प्राप्त होते रहते है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संसदीय समिति के निरीक्षण के दौरान उठाए जाने वाले बिंदु पर आवश्यक कार्रवाई करने पर बल दिया है। इस दौरान उन्होंने मंत्रालय द्वारा सुझाए सभी बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु अनुरोध किया। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि यथासंभव इन बिंदुओं पर कार्रवाई की जाए।

कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक

मद सं. 11.7 **अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कोई मद :-** इस मद के अधीन सदस्यों के कोई विचार प्राप्त नहीं हुए।

बैठक के अंत में निदेशक महोदय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी से राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ-साथ हर संभव प्रयास करने हेतु अपील की और डॉ. आर.के.सिंह प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा के धन्यवाद के साथ बैठक संपन्न हुई।

गुणशेकरन

कुलसचिव